पी के विश्वविद्यालय, शिवपुरी (म०प्र०) Syllabus for Ph.D Course Work Subject – Hindi literature हिंदी भाषा एवं साहित्य

| Sr.No. | Title of Course | Paper Code | Maximu m Mark's | Qualify Marks 65% | No. of Credits (Per week) | Teaching Lecture | Exam Duratio n |
|--------|---------------------------------|-------------|-----------------------|-------------------------|------------------------------------|---------------------|----------------------|
| 1- | Research Methodology | PRESEAR101 | 100 | 65 | 04 | 60 | 03 hours |
| 2- | Hindi literature | PHINDIDR102 | 150 | 65 | 06 | 90 | 03 hours |
| 3- | Research and Publication Ethics | PRESECP103 | 50 | 33 | 02 | 30 | 02 hours |
| Total | - | | 300 | 163 | 12 | 180 | |

- 1. हिंदी भाषा एवं उसका विकास , भाषा कि प्रवितियाँ, हिंदी भाषा का वर्गीकरण, आकृति मूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण । भाषाविज्ञान की परिभाषा एवं इसका क्षेत्र, ध्विन परिवर्तन, अर्थ परिवर्तन, वाक्य के भेद एवं परिवर्तन, रूप परिवर्तन । देवनागरी लिपि का ,मानकीकरण, देवनागरी लिपि के वैज्ञानिकता ।
- 2. हिंदी साहित्य का इतिहास, काल-बिभाजन एवं नामकरण I आदिकाल के प्रमुख किव एवं रचनाएँ, आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियां I भक्तिकाल का परिचय, प्रमुख किव व रचनाए तथा प्रमुख प्रवृत्तियां I भक्तिकाल का वर्गीकरण, प्रमुख काव्य धाराये- परिचय, रचनाकार व उनकी रचनाए तथा प्रवृत्तियां I
- 3. रीतिकाल का परिचय, विभिन्न काव्य धाराये I रीतिकाल के प्रमुख कवि व उनकी रचनाए तथा प्रमुख प्रवृत्तियां I
- 4. आधुनिक काल पुनर्जागरण काल, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, शुक्ल युग का परिचय, प्रमुख लेखक / रचनाकार, रचनाये व प्रमुख विशेषताये I विधिवाद- छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, नई एवं नवगीत आदि I
- 5. गद्य साहित्य का उद्धव एवं विकास । गद्य की विभिन्न विधाये कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी, व्यंग, पत्र-साहित्य, यात्रा साहित्य आदि ।

- 6. काव्यशास्त्र एवं आलोचना काव्य-लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन I विभिन्न सम्प्रदाय-रस सम्प्रदाय, अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदाय, वक्रोक्ति सम्प्रदाय। अरस्तु का विरेचन सिद्धान्त I हिंदीआलोचना के विविध सिद्धान्त-रसवादी, व्यक्तिवादी, मार्क्सवादी, मनोविश्लेषण वादी I हिंदी साहित्य में आलोचना की उपादेयता I
- 7. भाषा की प्रयोजनीयता और हिंदी अनुवाद । पारिभाषिक शब्दावली । कार्यालयीन पत्राचार । पत्रकारिता के प्रकार, समाचार लेखन, संपादन । संचार माध्यम और हिंदी, इन्टरनेट और हिंदी । भाषा के विविध रूप-राजभाषा,राष्ट्रभाषा, संपर्कभाषा । हिन्दी का विश्व में स्थान ।